डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

27 दिसंबर 2025

शनिवार

आपकी आवाज

असम से दो करोड़ रूपए की ब्राउन सुगर लेकर सिमरी जा रहे दो तस्कर को एसपी की सूचना पर पुलिस ने दबोचा

2

एक नजर

विज्ञान और धर्म में कोई टकराव नहीं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि विज्ञान और धर्म के बीच कोई संघर्ष नहीं है और यह आग्रह किया कि अंततः सभी विभिन्न मार्गों के माध्यम से एक ही सत्य की खोज करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को केवल एक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि एक "विश्व गुरु" भी बनना चाहिए। लेकिन अब, उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता के कारण, यह 'कैंसर ट्रेन' पंजाब से जयपुर तक चल रही है। भारत को बढ़ने के लिए नियत किया गया है क्योंकि यह समय की आवश्यकता है। संघ प्रमुख भागवत ने शुक्रवार को तिरुपति में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में भारतीय विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भारत को अंधविश्वास से उबरने, क्षेत्रीय भाषाओं में ज्ञान को बढ़ावा देने और विकास में संतुलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू भी उपस्थित थे।

केरल तक सिमट कर रह गई सीपीआई

नई दिल्ली। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआइ) 26 दिसंबर को अपना शताब्दी वर्ष मना रही है। सीपीआइ की स्थापना 1925 में कानपुर में आयोजित सम्मेलन से हुई थी। देश में कभी सड़क से लेकर संसद तक में प्रभावी भूमिका निभाने वाली सीपीआइ की मौजूदगी वर्तमान में वैचारिक स्तर पर ही दिखती है।चुनावी राजनीति में उसकी भूमिका सिर्फ केरल तक सीमित हो गई है, जहां उसकी वामदलों के साथ गठबंधन की सरकार है। आइये नजर डालते हैं पार्टी के 100वर्ष के सफर पर। 1925 में कानपुर में एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लाहौर, बंबई (अब मुंबई), कलकत्ता (अब कोलकाता) और मद्रास में सक्रिय भारतीय कम्युनिस्ट समूहों ने लिया। कानपुर में औद्योगिक श्रमिकों की अच्छी खासी संख्या थी। उसी समय कानपुर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन भी आयोजित हो रहा था। इसके अलावा, कानपुर में ही ब्रिटिश सरकार ने 1923 में भारतीय कम्युनिस्टों के खिलाफ कानपुर बोल्शेविक षड्यंत्र का मामला दर्ज किया था।

वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को खड़ा करेंगे कटघरे में : अमित शाह

- नई दिल्ली में आयोजित हुआ आतंकवाद निरोधी सम्मेलन
- आंतकवाद पर खुलासा करते हुए भारत 360 डिग्री पर करेंगा प्रहार

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आतंकवाद निरोधी सम्मेलन का उद्घाटन किया। दो दिवसीय सम्मेलन भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर आयोजित किया जा रहा है। शाह ने कहा, आतंक पर 360 डिग्री प्रहार होगा। एक अभेद ह्यआतंकवाद निरोधी ग्रिडह्ण हर चुनौती का सामना करेगा। हमारी टीम

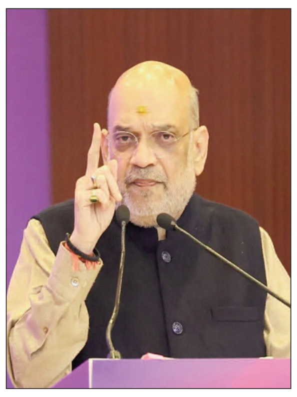

ने पहलगाम आतंकी हमले का एक कंम्प्लीट और सफल इन्वेस्टिगेशन किया है जिसे पूरी दुनिया की एजेसियां आने वाले दिनों में स्टडी करेंगी। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले की जांच के नतीजे अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान को कटघरे में खड़ा करेगी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि बायसरण घाटी का हमला देश को झंझोड़ देने वाला था। इस हमले से आतंकवादी देश में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने और कश्मीर में शुरू हुए विकास के नए युग और पर्यटन को झटका देना चाहते थे। उन्होंने कहा कि तीनों आतंकियों को बहुत सटीक सूचना के आधार पर हमारे सुरक्षाबलों ने नेस्तानाबूत कर पाकिस्तान को कठोर संदेश देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यह पहली आतंकी घटना है, जिसमें हमले की योजना बनाने वालों को हमने ऑपरेशन सिंदूर से दंडित किया। उन्हें ऑपरेशन महादेव के जरिए ढेर करने का काम किया। गृह मंत्री ने कहा कि दोनों छोर पर भारत सरकार, भारतीय सुरक्षाबलों और भारतीय जनता का एक मजबूत मुंहतोड़ जवाब पाकिस्तान के आतंकी आकाओं को देने का काम हमारे सुरक्षाबलों और खुफिया एजेंसियों ने किया है।

दिल्ली धमाकों पर हुई है उत्कृष्ट जांच

अमित शाह ने आतंकवाद विरोधी सम्मेलन में कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने दिल्ली में हुए विस्फोट की उत्कृष्ट जांच की। शाह ने कहा कि दिल्ली में हुए धमाके की जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बहुत अच्छी जांच की है। इस पूरे नेटवर्क की जांच करने का काम हमारी सभी एजेंसियों ने बहुत अच्छे तरीके से किया। पहलगाम और दिल्ली विस्फोट मामलों की जांच सामान्य पुलिसिंग नहीं बल्कि वाटरटाइट इन्वेस्टिगेशन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह इस बात का भी एक बहुत बड़ा उदाहरण है कि सदैव जागरूक रहकर कोई अधिकारी किस प्रकार देश को इतने बड़े संकट से बचा सकता है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमने डीजीपी कॉन्फ्रेंस, सिक्योरिटी स्ट्रेटजी कॉन्फ्रेंस, एनकॉर्ड बैठक और एंटी-टेरर कॉन्फ्रेंस के बीच कोऑर्डिनेशन, कोऑपरेशन और कम्युनिकेशन के एक नए मापदंड को स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि इन चार स्तंभों को हम आइसोलेशन में नहीं देख सकते, इनके बीच में एक कॉमन लाइन आतंकवाद निरोधी सम्मेलन की है।

हिंदुओं से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील पर फंसी नवनीत राणा

एजेंसी। मुंबई

भाजपा की नेता और पूर्व निर्दलीय सांसद नवनीत राणा अपने तीखे और आक्रामक बयानों को लेकर अक्सर मीडिया की सुर्खियों में बनी रहती हैं। एक बार फिर से उनके एक बयान पर जमकर सियासत देखने को मिल रही है। दरअसल, एक मुस्लिम मौलाना के कथित बयान का हवाला देते हुए नवनीत राणा ने हिंदुओं से कम से कम तीन या चार बच्चे पैदा करने की अपील की थी। लेकिन, ऐसे में अब सवाल यह उठता है कि आखिर नवनीत राणा के खुद कितने बच्चे हैं। तो आइए अपने इस वीडियो में हम आपको बताते है, हिंदुओं से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील करने वाली नवनीत राणा के कुल कितने बच्चे है और वो कितने-कितने साल के है? नवनीत राणा ने हाल ही में मीडिया से बात करते हुए कहा था, श्मैं सभी हिंदुओं से अपील करती हूं कि अगर वे (मुस्लिम) 19 बच्चे पैदा कर रहे हैं तो हमें कम से कम 3-4 बच्चे तो पैदा करने चाहिए। ये लोग भारत को पाकिस्तान बनाने की राह पर हैं।श भाजपा नेता राणा ने आगे कहा कि ये लोग ज्यादा बच्चे पैदा करके भारत को पाकिस्तान जैसा बनाने की योजना बना रहे हैं। तो हम सिर्फ एक बच्चे से क्यों संतुष्ट रहें? हमें भी तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए। नवनीत राणा के बयान पर सियासत शुरू हो गई है।

वीर साहिबजादों ने मजहबी कट्टरता-आतंक का वजूद हिलाया

जेन जी ही देश को आगे ले जाएंगे : पीएम मोदी

- जेनरेशन ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएगी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के मौके पर नई दिल्ली में स्थित भारत मंडपम में बच्चों को संबोधित किया। भारत मंडपम में हुए आयोजन से पहले प्रधानमंत्री ने इस वर्ष वीरता पुरस्कार से सम्मानित बच्चों के साथ संवाद भी किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने वीर बाल दिवस के मौके पर बच्चों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने जेन-जी और जेन-अल्फा को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी जेनरेशन ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएगी। मैं जेन-जी की योग्यता, आपका आत्मविश्वास देखता हूं, समझता हूं और इसलिए आप पर बहुत भरोसा करता हूं।श उन्होंने कहा, श्पहले युवा सपने देखने से भी डरते थे, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाओं में ये माहौल बन गया था कि कुछ अच्छा हो ही नहीं सकता। चारों ओर निराशा का वातावरण था। लेकिन आज देश प्रतिभा को खोजता है, उन्हें मंच देता है। कार्यक्रम का आयोजन भारत मंडपम में किया गया है। बता दें कि सरकार ने साल 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने का एलान किया था। इसके बाद हर वर्ष इस दिन कई खास कार्यक्रमों का आयोजन होता है। उन्होंने कहा कि वीर साहिबजादे भारत के अदम्य साहस, शौर्य, वीरता की पराकाष्ठा हैं। वीर साहिबजादों ने उम्र और अवस्था की सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल सल्तनत के सामने चट्टान की तरह खड़े हो गए। इससे मजहबी कट्टरता और आतंक का वजूद ही हिल गया।

वीर साहिबजादों से टकराना पड़ा

पीएम मोदी ने कहा कि वीर साहिबजादों को छोटी सी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा। वो लड़ाई भारत के मूल विचारों और मजहबी कट्टरता के बीच थी। वो लड़ाई सत्य बनाम असत्य के बीच थी। उस लड़ाई की एक ओर गुरु गोविंद सिंह जी थे, दूसरी ओर क्रूर औरंगजेब की हुकूमत थी।श उन्होंने कहा कि हमारे साहिबजादे उस समय छोटे ही थे, लेकिन औरंगजेब की क्रूरता को इससे फर्क नहीं पड़ा। वो जानता था कि उसे अगर भारत के लोगों को डराकर उनका धर्मांतरण कराना है तो इसके लिए उसे हिंदुस्तानियों का मनोबल तोड़ना होगा। इसलिए उसने साहिबजादों को निशाना बनाया। पीएम मोदी ने कहा कि भले ही पूरी मुगलिया बादशाहत उनके पीछे लग गई, लेकिन चारों साहिबजादों में से एक को भी डिगा नहीं पाई। साहिबजादा अजीत सिंह जी के शब्द आज भी उनके हौसले की कहानी कहते हैं। अजीत सिंह जी ने कहा था कि नाम का अजीत हूं, जीता न जाऊंगा, जीता भी गया तो जीता न आऊंगा।

गुलामी की मानसिकता से निकले बाहर

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही हमने गुरु तेगबहादुर को उनके 350वें बलिदान दिवस पर याद किया था। जिन साहिबजादों के पास गुरु तेगबहादुर के बलिदान की प्रेरणा हो, वो मुगल अत्याचारों से डर जाएंगे, ये सोचना ही गलत था। साहिबजादों के बलिदान की गाथा देश में जन-जन की जुबान पर होनी चाहिए थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी देश में गुलामी की मानसिकता हावी रही। इस गुलामी का बीज अंग्रेज राजनेता मैकाले ने 1835 में बोया था। उस मानसिकता से देश को आजादी के बाद भी मुक्त होने नहीं दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि आजादी के बाद भी देश में ऐसी सच्चाईयों को दबाने की कोशिश की गई। अब भारत ने तय किया है कि गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पानी ही होगी। अब हम भारतियों के बलिदान और शौर्य की स्मृतियां दबेंगी नहीं। अब देश के नायक-नायिकाओं को हाशिये पर नहीं रखा जाएगा, और इसलिए श्वीर बाल दिवसश को हम पूरे मनोभाव से मना रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से मुक्त होते हमारे देश में, भाषाई विविधता हमारी ताकत बन रही है।

एच -1 बी वीजा में देरी और रद्दीकरण पर भारत ने जताई चिंता

एजेंसी। नई दिल्ली

विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों से जुड़े मामलों को लेकर भारत सरकार ने एक बार फिर साफ किया है कि वह अपने नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वीजा परेशानियों, सुरक्षा से जुड़े मामलों, भगोड़े अपराधियों की वापसी और विदेशों में भारतीय छात्रों की मौत जैसे मुद्दों पर विदेश मंत्रालय ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। प्रवक्ता ने बताया कि वीजा से जुड़े मुद्दे किसी भी देश के संप्रभु अधिकार क्षेत्र में आते हैं, लेकिन भारत ने अपनी चिंताएं अमेरिका के सामने नई दिल्ली और वॉशिंगटन डीसी, दोनों जगह उठाई हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ लगातार बातचीत की जा रही है ताकि भारतीय नागरिकों को हो रही दिक्कतों को कम किया जा सके। भारत ने अमेरिका में काम करने वाले हजारों भारतीय पेशेवरों से जुड़े एच-1बी वीजा मामले पर गंभीर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बड़ी संख्या में भारतीय आवेदकों के पहले से तय एच-1बी वीजा साक्षात्कार अचानक रद्द या आगे खिसका दिए गए हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि सरकार को कई भारतीय नागरिकों से शिकायतें मिली हैं। इन शिकायतों में कहा गया है कि वीजा साक्षात्कार पुनर्निर्धारित होने के कारण वे लंबे समय से भारत में फंसे हुए हैं और अमेरिका लौटकर अपनी नौकरी जॉइन नहीं कर पा रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, दिसंबर के मध्य से जिन एच-1बी वीजा आवेदकों के साक्षात्कार तय थे, उन्हें अचानक कई महीनों के लिए टाल दिया गया है। कुछ आवेदकों को ई-मेल के जरिए बताया गया कि उनके साक्षात्कार अब अगले साल मई तक के लिए बढ़ा दिए गए हैं।

20 बच्चों को मिला राष्ट्रीय बाल पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया सम्मानित

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों के लिए बच्चों को ह्यप्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कारह्ण प्रदान किए। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने ह्यप्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कारह्ण प्राप्त करने वाले सभी बच्चों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुरस्कार विजेता बच्चों ने अपने परिवारों, समुदायों और पूरे देश का गौरव बढ़ाया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये पुरस्कार देश भर के सभी बच्चों को प्रेरित करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि लगभग 320 वर्ष पूर्व सिख धर्म के दसवें गुरु और सभी भारतीयों द्वारा श्रद्धेय गुरु गोविंद सिंह जी और उनके चार पुत्रों ने सत्य और न्याय के समर्थन में संघर्ष करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।महामहिम ने कहा कि किसी देश की महानता तब निश्चित होती है जब उसके बच्चे देशभक्ति और उच्च आदर्शों से परिपूर्ण होते हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों ने वीरता, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा और खेल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

जिलाधिकारी साहिला का औचक निरीक्षण समाहरणालय में अव्यवस्था पर सख्त रुख

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी साहिला ने शुक्रवार को पूर्वाह्न 10.30 बजे समाहरणालय परिसर एवं अंतर्गत संचालित विभिन्न शाखाओं का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्था की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान कई कार्यालयों में साफ-सफाई की बदतर स्थिति, संचिकाओं का अव्यवस्थित रख-रखाव और कर्मियों की अनुशासनहीनता सामने आने पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने आपदा शाखा, पंचायत शाखा, दिव्यांगजन कोषांग सहित अन्य कार्यालयों का गहन जायजा लिया।

साफ-सफाई में लापरवाही पर फटकार

जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि समाहरणालय जिले का प्रमुख प्रशासनिक केंद्र है और यहां की व्यवस्था से आम जनता पर प्रशासन की छवि बनती है। ऐसे में गंदगी और अव्यवस्था किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सभी शाखा पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अपनी-अपनी शाखाओं की साफ-सफाई की जिम्मेदारी स्वयं सुनिश्चित करें तथा अनावश्यक सामग्री और उपकरणों को तुरंत हटवाएं।

फाइल प्रबंधन पर विशेष जोर

निरीक्षण के दौरान संचिकाओं के रख-रखाव में भी भारी खामियां पाई गई। कई शाखाओं में फाइलें अस्त-व्यस्त हालत में रखी मिलीं, जिससे कार्य निष्पादन में देरी की आशंका जताई गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि विभागीय नियमों के अनुरूप संचिकाओं का रख-रखाव किया जाए। अकार्यरत एवं पुराने मामलों से संबंधित संचिकाओं को विधिवत अभिलेखागार में भेजना सुनिश्चित किया जाए, ताकि कार्यालयों में अनावश्यक बोझ न रहे और कार्य सुचारु रूप से हो सके।

एक साथ अवकाश पर कर्मी, व्यवस्था प्रभावित

दिव्यांगजन कोषांग, सैनिक कल्याण शाखा और अभिलेखागार में एक साथ बड़ी संख्या में कर्मियों के अवकाश पर रहने की जानकारी सामने आई। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे आम लोगों के कार्य प्रभावित होते हैं। उन्होंने सभी शाखा पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि एक साथ अधिक संख्या में कर्मियों का अवकाश स्वीकृत न किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्यालयीन कार्य बाधित न हो। जिलाधिकारी ने नजारत उप समाहर्ता, बक्सर को निर्देशित किया कि पूरे समाहरणालय परिसर में समुचित और नियमित साफ-सफाई कराई जाए। उन्होंने कहा कि केवल कार्यालय कक्ष ही नहीं, बल्कि गलियारे, सीढ़ियां, शौचालय और बाहरी परिसर भी स्वच्छ और व्यवस्थित दिखना चाहिए।

गुप्त सूचना पर डुमरांव एसडीपीओ के नेतृत्व में नया भोजपुर व सिमरी से बरामद हुआ था 4.80 ग्राम ब्राउन सुगर

असम से दो करोड़ रूपए की ब्राउन सुगर लेकर सिमरी जा रहे दो तस्कर को एसपी की सूचना पर पुलिस ने दबोचा

- **असम से जुड़े है तस्करों के तार, असम पुलिस से संपर्क स्थापित कर अपराधिक इतिहास खंगाल रही है पुलिस**
- **बक्सर पुलिस कार्यालय में एसपी ने प्रेसवार्ता आयोजित कर दी जानकारी**

अंतर्राज्जीय गिरोह से जुड़ा है तार

एसपी ने बताया बरामद ब्राउन सुगर का बाजार मूल्य करीब दो करोड़ रूपए है, जबकि दोनों तस्कर अंतर्राज्जीय गिरोह से जुड़े है। उन्होंने बताया कि दोनों के अपराधिक रिकार्ड को खंगाला जा रहा है। एसपी ने बताया कि इसके लिए असम पुलिस से संपर्क स्थापित किया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए असम के प्रेमा पंडित पर असम में भी अपराधिक मुकदमे दर्ज है कि नहीं।

बरामद मोबाइल से खुलेगा तस्करी का राज

पुलिस ने तस्करो के पास से ब्राउन सुगर की खेप के साथ ही एक मोबाईल फोन भी बरामद किया है। पुलिस का मानना है कि तस्करों का राज खोलने के लिए यह मोबाईल अहम सुराग हो सकता है। पुलिस उक्त मोबाईल को जब्त कर वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान कर रही है। पुलिस का मानना है कि मोबाईल का कॉल डिटेल्स मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े लोगों को बेनकाब कर सकता है।

सम्मानित किए जाएंगे टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी

एसपी ने इसे बड़ी उपलब्धि मानते हुए कहा कि तस्करों को पकड़ने वाली पुलिस टीम को सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि इस टीम में डुमरांव एसडीपीओ पोलत्स कुमार के अलावे नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार, अपर थानाध्यक्ष सुमन कुमार, पुलिस निरीक्षक सुधीर कुमार, नया भोजपुर थाने के गुलो तांती, मो. शाहिद, विनय कुमार, डीआईयू टीम व सशस्त्र बल शामिल थे।

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पुलिस ने मादक पदार्थों की अंतर्राज्जीय तस्करी को बेनकाब करते हुए दो करोड़ रूपए मूल्य की ब्राउन सुगर के साथ अंतर्राज्जीय गिरोह के दो तस्करों को दबोचने में सफलता पाई है। गिरफ्तार तस्करों में एक असम का जबकि दूसरा सिमरी का रहने वाला है। पुलिस को यह सफलता नया भोजपुर थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर व सिमरी थाना क्षेत्र के दुधीपट्टी गांव से मिली है। शुक्रवार को एसपी शुभम आर्य ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी।

गिरफ्तार तस्करों में असम के होजाई जिले के लंका थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव निवासी प्रेमा पंडित पिता स्व. संतोष पंडित तथा सिमरी थाना क्षेत्र के स्थानीय दुधीपट्टी गांव निवासी उमाकांत गुप्ता पिता अनंत गुप्ता शामिल है। प्रेमा के पास से 322 ग्राम तथा उमाकांत के पास से 158 ग्राम ब्राउन सुगर बरामद हुआ है। प्रेस वार्ता में एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक तस्कर असम से ब्राउन सुगर की खेप लेकर आ रहा है तथा वह सिमरी जाने वाला है। इस सूचना पर एसपी ने डुमरांव एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापेमारी का निर्देश दिया। इसके बाद गठित टीम ने पश्चिमी रेलवे क्रासिंग से पुराना भोजपुर तक जाल बिछाया। इस दौरान पुलिस को देख एक व्यक्ति भागने का प्रयास किया। जिसके बाद पुलिस ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया तथा जब तलाशी ली तो उसके पास से 322 ग्राम ब्राउन सुगर बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस उसे गिरफ्तार कर थाना लाई और पूछताछ की। इस दौरान उसने बताया कि उसे यह खेप उसी के गांव के राजू शिकारी उर्फ कृष्णा शिकारी ने दी है तथा इसे सिमरी दुधीपट्टी के उमाकांत गुप्ता के पास देना था। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस टीम ने सिमरी पुलिस के सहयोग से तत्काल दुधीपट्टी स्थित उमाकांत गुप्ता के घर छापेमारी की जहां, से 158 ग्राम ब्राउन सुगर मिला। जिसके बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

एक नजर

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में रंग-कोड व्यवस्था से स्वच्छता की नई इबारत

धरातल पर उतरने लगी है डीएम की सख्ती का परिणाम

डुमरांव। जिले में जिलाधिकारी साहिला के लगातार औचक निरीक्षण अब महज औपचारिकता नहीं, बल्कि जमीनी बदलाव का कारण बनते दिख रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल है, जहां कभी अव्यवस्था और गंदगी को लेकर शिकायतें आम थीं, वहीं अब साफ-सफाई और अनुशासन की मिसाल पेश की जा रही है। प्रशासनिक सख्ती के बाद अस्पताल की कार्यसंस्कृति में स्पष्ट सुधार देखने को मिल रहा है।

अस्पताल परिसर से लेकर ओपीडी, वार्ड, इमरजेंसी कक्ष और शौचालयों तक नियमित सफाई सुनिश्चित की जा रही है। प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. श्रुति प्रकाश के नेतृत्व में अस्पताल प्रबंधन ने साफ संदेश दिया है कि लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं होगी। प्रतिदिन सफाई कार्य की निगरानी की जा रही है और जिम्मेदार कर्मियों की जवाबदेही तय की गई है। स्वच्छता को और प्रभावी बनाने के लिए अस्पताल में बेडशीट बदलने की रंग-कोड प्रणाली लागू की गई है। सप्ताह के प्रत्येक दिन के लिए अलग रंग निर्धारित किया गया है, ताकि यह साफ तौर पर पता चल सके कि चादरें नियमित बदली जा रही हैं या नहीं। रविवार को आसमानी, सोमवार को नारंगी, मंगलवार को लाल, बुधवार को हरा, गुरुवार को पीला, शुक्रवार को बैंगनी और शनिवार को नीले रंग की चादरों का उपयोग किया जा रहा है। शुक्रवार दोपहर एक बजे के वीडियो में बैंगनी चादरों का प्रयोग इसी व्यवस्था की पुष्टि करता है। प्रभारी डीएस डॉ. श्रुति प्रकाश का कहना है कि स्वच्छ वातावरण न केवल मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने में सहायक है, बल्कि यह अस्पताल की नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी भी है। सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी अब जीविका दीदियों को सौंपी गई है, जिससे काम में नियमितता और पारदर्शिता आई है। गौरतलब है कि हाल ही में ब्रह्मपुर सीएचसी में स्वच्छता में लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। डुमरांव अस्पताल में दिख रहा यह सकारात्मक बदलाव साफ तौर पर बताता है कि जब प्रशासनिक सख्ती और टीमवर्क साथ हों, तो सरकारी अस्पतालों की तस्वीर भी बदली जा सकती है।

लघु खनिज कारोबारियों के लिए 29 दिसंबर को के-लाइसेंस विशेष शिविर, बिना लाइसेंस कारोबार अवैध

बक्सर। जिले में रेत, गिट्टी (स्टोन चिप्स) सहित अन्य लघु खनिजों के क्रय-विक्रय से जुड़े छोटे व्यवसायियों को विधिसम्मत, पारदर्शी एवं नियंत्रित व्यवस्था से जोड़ने के उद्देश्य से के-लाइसेंस (व्यापार अनुज्ञप्ति) प्राप्त करने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 29 दिसंबर को खनन कार्यालय, बक्सर परिसर में आयोजित होगा।

जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि बिना के-लाइसेंस के लघु खनिजों का क्रय-विक्रय पूरी तरह अवैध है। ऐसे में सभी संबंधित छोटे व्यवसायियों एवं व्यापारियों से अपील की गई है कि वे नियमानुसार आवेदन कर अपने व्यवसाय को वैध रूप से संचालित करें।

के-लाइसेंस के लिए आवेदन करने हेतु आवश्यक दस्तावेजों में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, शपथ पत्र, भूमि अथवा भंडारण स्थल (यार्ड) का फोटो प्रमाण तथा स्वामित्व प्रमाण पत्र शामिल हैं। आवेदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन निर्धारित की गई है। इच्छुक आवेदक खनन विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन स्वीकृत होने के पश्चात आवेदक को पहचान संख्या एवं गोपनीय कूट (आईडी एवं पासवर्ड) उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके माध्यम से व्यापारी अपने भंडारित माल का विवरण ऑनलाइन अद्यतन कर सकेंगे तथा क्रय-विक्रय की संपूर्ण प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से होगी।

खिलाफतपुर के बच्चों को मिलेगा शैक्षणिक संबल, विद्यालय उन्नयन की पहल तेज

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत क्षेत्र के खिलाफतपुर गांव के बच्चों के शैक्षणिक भविष्य को मजबूती देने की दिशा में एक अहम पहल सामने आई है। नगर पंचायत की चेयरमैन किरण देवी ने खिलाफतपुर प्राथमिक विद्यालय को उच्च प्राथमिक अथवा मध्य विद्यालय में अपग्रेड किए जाने की औपचारिक सिफारिश शिक्षा विभाग को भेजी है। इस कदम को क्षेत्र में शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में एक ठोस प्रयास माना जा रहा है। वर्तमान में खिलाफतपुर प्राथमिक विद्यालय में छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन कक्षा पांच के बाद पढ़ाई की व्यवस्था नहीं होने के कारण बच्चों को दूर-दराज के विद्यालयों का रुख करना पड़ता है। इससे न केवल बच्चों का समय और संसाधन खर्च होता है, बल्कि कई बार दूरी और सुरक्षा के कारण खासकर बालिकाओं तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की पढ़ाई बीच में ही छूट जाती है। चेयरमैन किरण देवी ने बताया कि स्थानीय स्तर पर विद्यालय के उन्नयन से बच्चों को घर के पास ही आगे की शिक्षा मिल सकेगी। इससे ड्रॉपआउट की समस्या कम होगी और शिक्षा के प्रति अभिभावकों का भरोसा भी मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत का उद्देश्य केवल बुनियादी सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा जैसे मूलभूत क्षेत्र में स्थायी सुधार लाना भी प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस मुद्दे को हाल ही में आयोजित दिशा (जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति) की बैठक में प्रमुखता से उठाया गया था। बैठक में जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों के बीच विद्यालय उन्नयन की आवश्यकता पर सकारात्मक चर्चा हुई, जिसके बाद शिक्षा विभाग को लिखित सिफारिश भेजी गई। स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों ने नगर पंचायत की इस पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि यदि खिलाफतपुर में ही मध्य विद्यालय की सुविधा उपलब्ध हो जाती है, तो बच्चों की शिक्षा निरंतर और सुरक्षित रूप से जारी रह सकेगी। लोगों को उम्मीद है कि शिक्षा विभाग शीघ्र इस प्रस्ताव पर विचार कर आवश्यक कार्रवाई करेगा, जिससे खिलाफतपुर गांव शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहचान बना सके।

डीएम साहिला ने जनता दरबार में सुनी 57 आवेदनों की समस्याएं, त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में शुक्रवार को जिलाधिकारी साहिला द्वारा आम जनता से सीधे संवाद स्थापित करते हुए जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। जनता दरबार में कुल 57 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामले, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आवास योजना, आपूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य प्रशासनिक समस्याएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। जिलाधिकारी ने एक-एक कर सभी आवेदकों की बातें ध्यानपूर्वक सुनीं और संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दरबार के दौरान कई मामलों में जिलाधिकारी ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए, जबकि कुछ जटिल मामलों में जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि जिन आवेदनों का समाधान संभव है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादित किया जाए तथा आवेदक को इसकी सूचना भी दी जाए। जिलाधिकारी साहिला ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य आम लोगों को जिला स्तर पर अपनी समस्याएं रखने का सीधा मंच उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की हिदायत दी। जनता दरबार में मौजूद फरियादियों ने जिलाधिकारी द्वारा उनकी बातों को गंभीरता से सुनने और त्वरित कार्रवाई के आश्वासन पर संतोष व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सत्संग से मिलती है ईश्वर की कृपा, भगवान जिस पर प्रसन्न होते हैं संसार उसका चरण चूमता है : उमेश भाई

- **श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार और श्रीराम जन्म की भावपूर्ण प्रस्तुति**

केटी न्यूज/बक्सर

पूज्य संत ब्रह्मलीन गोलोकवासी श्री रामचरितदास जी की प्रथम स्मृति में आयोजित सत्रह दिवसीय विविध आध्यात्मिक कार्यक्रम के अंतर्गत पंचायतन समाज के बीच चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन भक्तिरस की अविरल धारा प्रवाहित हुई। कार्यक्रम स्थल पर प्रतिदिन अखंड हरिनाम संकीर्तन, श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ तथा संध्याकालीन भजन संध्या से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। पांचवें दिन की कथा में प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार, गज-ग्राह की पावन कथा के साथ श्रीराम जन्म की बधाइयों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा व्यास उमेश भाई ओझा ने कहा कि चौरासी लाख योनियों में भटकते हुए जीव को जब सत्संग की प्राप्ति होती है, तो यह समझ लेना चाहिए कि उस पर भगवान की विशेष कृपा हो गई है। उन्होंने कहा कि भगवान जिस पर प्रसन्न होते हैं, सारी दुनिया उसका चरण चूमती है।

नास्तिकता से दूर रहने का संदेश

उमेश भाई ने अपने प्रवचन में राक्षस, दानव और नास्तिक के अंतर को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने कहा कि राक्षस और दानव भगवान को मानते हैं, भले ही उनसे वैर रखते हों, इसलिए उनका उद्धार संभव है, लेकिन जो नास्तिक भगवान के अस्तित्व को ही नहीं मानता, उसका कल्याण कठिन हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि अज्ञानवश किए गए पाप क्षम्य होते हैं, किंतु जानबूझकर किए गए पाप का फल भोगना ही पड़ता है।

भरत कथा और जड़भरत प्रसंग से जीवन शिक्षा

कथा के दौरान भरत की कथा के माध्यम से सांसारिक मोह के बंधनों की व्याख्या की गई। भरत के मृग योनि में जाने और पुनः ब्राह्मण कुल में जन्म लेकर जड़भरत कहलाने की कथा ने श्रद्धालुओं को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित किया। वहीं कोलभीलों के प्रेम और निष्कलुष भक्ति का वर्णन कर बताया गया कि सच्ची भक्ति से प्रभु श्रीराम भी वश में हो जाते हैं।

मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में श्रीराम

उमेश भाई ने कहा कि प्रभु श्रीराम का अवतार संपूर्ण मानव जाति को मयार्दा, धर्म और आदर्श जीवन की शिक्षा देने के लिए हुआ। कथा के अंत में श्रीराम जन्म की बधाइयां गाई गईं। ह्लओंगने में बधइया बाजेह्न, ह्लजायो कौशल्या जी ने ललाह्न, ह्लजय हो चक्रवर्ती जीह्न जैसे बधाई गीतों से पंडाल भक्तिरस में डूब गया और श्रद्धालु झूम उठे।

भजन संध्या में उमड़ा भक्ति रस

भजन संध्या में उमेश जायसवाल, अशोक मिश्रा, डॉ. रवि कुमार एवं कवि नंद बिहारी ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे श्रद्धालु देर तक भावविभोर रहे। कार्यक्रम में रविलाल, साध्वी विनीता, आचार्य नरहरि दास जी भक्तमाली, त्यागी जी, राम बिहारी, कुंदन जी, बचा जी, महादेव, अनिमेष, पिंटू, सतीश, रमन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण भक्त उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम देखने को मिला।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में डुमरांव में बिहिप व बजरंग दल ने आक्रोश मार्च

- **राजगढ़ चौक से थाना तक आक्रोश मार्च, पुतला दहन के जरिए बांग्लादेश सरकार को कड़ा संदेश**

केटी न्यूज/डुमरांव

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ जारी कथित सुनियोजित हिंसा और राजू दास की नृशंस हत्या के विरोध में डुमरांव की सड़कों पर जनाक्रोश फूट पड़ा। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के आह्वान पर निकाले गए आक्रोश मार्च ने यह साफ कर दिया कि सीमा पार हो रहे अत्याचारों को लेकर अब देश के भीतर चुप्पी टूट चुकी है।

राजगढ़ चौक से शुरू हुआ यह मार्च नारेबाजी और तख्तियों के साथ नया थाना परिसर तक पहुंचा, जहां बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह विरोध केवल एक हत्या के खिलाफ नहीं, बल्कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमलों, मंदिरों के ध्वंस और जबरन पलायन के विरुद्ध है। मार्च का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष संटू मित्रा ने किया। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज अब पीड़ित नहीं, बल्कि संगठित होकर अन्याय का प्रतिकार करेगा। प्रदर्शन के दौरान हत्याएं बंद करो, अत्याचार नहीं सहेंगे जैसे नारों से इलाका गूंजता रहा। पुतला दहन के बाद आयोजित आक्रोश सभा की अध्यक्षता प्रो. श्याम नारायण राय ने की, जबकि संचालन दीपक यादव ने किया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदुओं को योजनाबद्ध तरीके से असुरक्षित बनाया जा रहा है और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय इस पर मौन साधे हुए है। उन्होंने इसे मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताते हुए भारत सरकार से कूटनीतिक और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सख्त हस्तक्षेप की मांग की। सभा में मौजूद भाजपा प्रवक्ता शक्ति राय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह मुद्दा किसी एक देश तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़ा है। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो हालात और भयावह हो सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में अभिषेक रंजन ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि यह आंदोलन प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि निरंतर संघर्ष का संकेत है। डुमरांव की यह आवाज बताती है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ अब विरोध संगठित, मुखर और निर्णायक रूप ले चुका है। मौके पर बजरंगदल, विश्व हिन्दू परिषद व भाजपा के कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक नजर

मनरेगा के स्थान पर नई ग्रामीण रोजगार योजना पर ग्राम सभाएं आयोजित

चक्की। प्रखंड अंतर्गत अरक, चक्की, जवही एवं चंदा पंचायतों में केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के स्थान पर लागू की गई नई ग्रामीण रोजगार योजना पर ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इन ग्राम सभाओं का उद्देश्य ग्रामीणों को नई योजना के स्वरूप, प्रावधानों एवं उद्देश्यों की जानकारी देना था। सभाओं में बताया गया कि मनरेगा के स्थान पर शुरू की गई इस नई योजना का नाम विकसित भारत-ग्रामीण रोजगार मिशन रखा गया है, जो केंद्र सरकार के विकसित भारत 2047 के संकल्प से जुड़ी हुई है। पंचायत सेवकों एवं रोजगार सेवकों द्वारा ग्रामीणों को जानकारी दी गई कि नई योजना के तहत अब ग्रामीण परिवारों को वर्ष में 100 दिनों के बजाय 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी प्रदान की जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और मजदूरों की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। ग्राम सभाओं में वार्ड सदस्यों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भागीदारी देखी गई। महिलाओं की सहभागिता भी उल्लेखनीय रही, जिन्होंने योजना को लेकर अपने विचार और सुझाव साझा किए। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि नई योजना के माध्यम से गांवों में रोजगार के साथ-साथ विकास कार्यों को भी गति मिलेगी। सभाओं के दौरान ग्रामीणों ने मांग की कि योजना के अंतर्गत स्थानीय जरूरतों के अनुसार कार्यों का चयन किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। प्रखंड प्रशासन की ओर से यह आश्वासन दिया गया कि ग्रामीणों के सुझावों को गंभीरता से लिया जाएगा। कुल मिलाकर, प्रखंड क्षेत्र में आयोजित ये ग्राम सभाएं ग्रामीण रोजगार व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही हैं, जिससे भविष्य में गांवों के विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

नशे के खिलाफ पुलिस का सख्त एक्शन, दो स्थानों पर छापेमारी कर दो युवक धराए

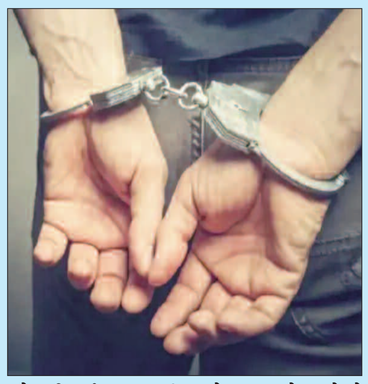

कृष्णाब्रह्म। शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के क्रम में कृष्णाब्रह्म पुलिस ने गुरुवार की शाम थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों में कार्रवाई करते हुए शराब के नशे में धुत दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस की सतर्कता एक बार फिर सामने आई। पहली गिरफ्तारी नुआंव गांव से की गई, जहां पुलिस ने शराब के नशे में हंगामा कर रहे छोटका डोम को पकड़ा। वहीं दूसरी कार्रवाई नोनियापुरा गांव में हुई, जहां राहुल कुमार को नशे की हालत में पुलिस ने हिरासत में लिया। दोनों को मौके पर ही रोककर ब्रेथ एनालाइजर से जांच की गई, जिसमें शराब सेवन की पुष्टि हुई। जांच के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को विधिसम्मत रूप से गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश गया है कि शराब पीना और शराबबंदी कानून का उल्लंघन करना अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष संदीप कुमार राम ने बताया कि थाना क्षेत्र में शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि शराब से दूरी बनाएं, अन्यथा कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

विजेता को पांच व उपविजेता टीम को कमिटी की तरफ से मिला 2.51 लाख का इनाम

आरा ने गाजीपुर को 3-0 से रौंद बाबू राजमोहन सिंह मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का बना विजेता

- **धरौली गांव में 50 हजार दर्शकों की रही मौजूदगी, पूरे टूर्नामेंट आरा की टीम का रहा दबदबा**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र के ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत धरौली गांव स्थित हनुमंत कुटी धाम के जोगीबीर बाबा खेल मैदान पर आयोजित सात दिवसीय बाबू राजमोहन सिंह मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का शुक्रवार को रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ भव्य समापन हो गया। खचाखच भरे मैदान और करीब 50 हजार दर्शकों की मौजूदगी में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरा (बिहार) की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) को 3-0 से करारी शिकस्त दी और विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। फाइनल मुकाबले को लेकर सुबह से ही खिलाड़ियों और दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। जैसे ही मैच की शुरूआत हुई, दर्शकों की तालियों और नारों से पूरा मैदान गूंज उठा। आरा की टीम ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया और खेल पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। पहले हाफ में आरा की ओर से एक शानदार गोल दागा गया, जिससे टीम को बढ़त मिल गई। हाफ टाइम से पहले ही यह साफ हो गया था कि आरा की टीम मैच पर पूरी तरह हावी है। मध्यांतर के बाद भी आरा की टीम का दबदबा बरकरार रहा। तेज पासिंग, सटीक मूवमेंट और बेहतरीन तालमेल के दम पर आरा ने लगातार दो और गोल दागे। गाजीपुर की टीम ने वापसी की कोशिश जरूर की, लेकिन आरा के मजबूत डिफेंस और गोलकीपर के आगे उनकी एक भी चाल कामयाब नहीं हो सकी। अंततः रेफरी की अंतिम सीटी के साथ आरा ने 3-0 से ऐतिहासिक जीत दर्ज कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता टीम आरा के कप्तान उत्तम टुडु को 5 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया, जबकि उपविजेता गाजीपुर के कप्तान कमरान को 2 लाख 51 हजार रुपये का चेक दिया गया। यह पुरस्कार टूर्नामेंट के मुख्य आयोजनकर्ता सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह एवं मुख्य अतिथि पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश के द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। आरा टीम के 10 नंबर जसीधारी खिलाड़ी राजू को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला, वहीं 4 नंबर जर्सी के खिलाड़ी ट्विन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। फाइनल मुकाबले का उद्घाटन विधायक राधाचरण साह, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह, जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष सीता सिंह, डुमरांव विधायक राहुल सिंह, रामजी तिवारी, प्रतिष्ठित व्यवसायी कृष्णा सिंह, पंकज सिंह और डॉ. रमेश सिंह ने संयुक्त रूप से गेंद को किक मारकर किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच की औपचारिक शुरूआत कराई। मैच के सफल संचालन में रेफरी संतोष पांडेय, जनार्दन सिंह, शशि कुमार सुमन, मोहम्मद सलाम और पप्पू कुमार की अहम भूमिका रही। वहीं उदघोषणा की जिम्मेदारी मिस्टर मनोज, आशुतोष पांडेय, मनीष उपाध्याय और ब्रदर महान ने बखूबी निभाई। मुख्य अतिथि पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि फुटबॉल और कुश्ती भारत के गांवों के पारंपरिक और लोकप्रिय खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए लगातार प्रयासरत है और युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा। वहीं आयोजनकर्ता मनोज कुमार सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य जिले के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। इसके लिए गांव-गांव में फुटबॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर प्रतिभाओं को तराशा जाएगा। फाइनल मुकाबले के दौरान आयोजन समिति की ओर से दर्शकों के लिए नाश्ते की भी व्यवस्था की गई थी। पूरे टूर्नामेंट के सफल आयोजन ने क्षेत्र में खेल के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया, वहीं आरा की शानदार जीत लंबे समय तक यादगार बनी रहेगी।

रोड निर्माण के बाद वाहनों के आने-जाने के लिये सड़क से अवरोध हटाया गया

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर के स्टेशन रोड को कालीकरण को लेकर वाहनों के आने-जाने पर पत्थर रख रोक लगा दिया गया था। सड़क बनने के बाद आधा हिस्से से पत्थर को हटा दिया गया, जिससे एक-एक कर वाहन आने-जाने लगे। हलांकि रोड के आधे हिस्से से पत्थर को हटाने से शुक्रवार को पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रही। इस दौरान खोले गए रास्ते से बड़े वाहनों के आने-जाने में परेशानी होती रही। वाहन चालकों की मांग थी कि जब रोड बन गया है तो पूरे रोड से अवरोधक को हटा देना चाहिए। मालूम हो कि डुमरांव शहर से बीचोबीच होकर एनएच-120 की सड़क गुजरती है। रोड में दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर लिये जाने के कारण भारी वाहनों के आने-जाने से जाम की स्थिति बनी रहती है। यह रोड पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। नवनियुक्त विधायक राहुल सिंह ने जीत के बाद से इस रोड पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। पहले उन्होंने मां डुमरेजिन मंदिर से पुराना भोजपुर तक उभर आए गड्ढे को भरवाया। फिर नगर के नया थाना से ट्रेनिंग स्कूल तक कालीकरण करवाया है। उन्होंने बताया की चार माह बाद सड़क को पूरी तरह से बनवाने के लिये टेंडर निकाला जाएगा, जिसमें चार माह का समय लगेगा। कालीकरण के दौरान नया थाना और ट्रेनिंग स्कूल के पास पत्थर रखकर परिचालन को रोक दिया गया था। कालीकरण होने के एक सप्ताह बाद परिचालन को शुरू करने के लिये रोड के आधा हिस्सा से ही पत्थर को हटाया गया, जिससे एक वाहन ही पास कर सकता है। ऐसे में दूसरे को पास करने के लिये इंतजार करना पड़ता है। इस तरह से जाम की स्थिति पूरे दिन बनी रहती है। वाहन चालकों और लोगों को कहना है कि रोड से पूरी तरह से पत्थर को हटा देना चाहिए।

केसठ में सरेशाम युवक को अज्ञात अपराधियों ने मारी गोली, मचा हड़कंप

- **दसियांव का रहने वाला है युवक, आरा के निजी अस्पताल में चल रहा है इलाज, जांच में जुटी पुलिस**

केटी न्यूज/केसठ

शुक्रवार की शाम नया बाजार उस समय दहल उठा जब रामपुर पंचायत के दसियांव गांव से केसठ बाजार करने आए एक युवक को अज्ञात लोगों ने गोली मार दी। गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सरेशाम हुई इस घटना के बाद केसठ तथा आस पास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। ग्रामीण अपने घरों में दुबक गए है। वहीं, जानकारी मिलते ही डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंच मामले की जांच व इस घटना में शामिल अपराधियों की धर पकड़ में जुट गई है। फिलहाल पुलिस इलाके की नाकेबंदी कर छापेमारी अभियान चला रही है। हालांकि, अभी तक इस बात की जानकारी नहीं मिल सकी है कि युवक को किसने गोली और क्यों गोली मारी है।

गोली लगने से जख्मी युवक की पहचान नावानगर थाना क्षेत्र के दसियांव गांव निवासी प्रिंस दुबे उर्फ मंगल दुबे (24 वर्ष), पिता भृगुनाथ दुबे के रूप में हुई है।

घटना कैसे और किन परिस्थितियों में हुई, फिलहाल इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। बताया जा रहा है कि युवक को छाती में गोली लगी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल इलाज के लिए आरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई है और आसपास के इलाके में जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। फिलहाल न तो पुलिस और न ही परिजनों की ओर से घटना के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने आया है। इस घटना के बाद गांव और बाजार क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि युवक को गोली लगने की सूचना है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गोली लगने के बाद परिजनों व ग्रामीणों के द्वारा घायल को आरा निजी अस्पताल में ले जाया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं, उसका इलाज कर रहे डा. विकास सिंह ने बताया कि घालय का ईलाज चल रहा है। गोली युवक के सीने में लगी है। फिलहाल वह खतरे से बाहर है।

चौगाईं के लाल विशाल शाही बने लेफ्टिनेंट संघर्ष से सफलता की प्रेरक कहानी

- **लेफ्टिनेंट बनने के बाद पहली बार गांव पहुंचने पर हुआ ढोल नगाड़ो से स्वागत**

केटी न्यूज/चौगाईं

भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए), देहरादून की ऐतिहासिक पासिंग आउट परेड में जब लेफ्टिनेंट विशाल शाही ने कदमताल किया, तो यह पल सिर्फ एक युवा की सफलता नहीं, बल्कि चौगाईं गांव के सपनों की जीत बन गया। स्थानीय गांव निवासी रोहित प्रताप शाही के पुत्र विशाल शाही ने लेफ्टिनेंट पद हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

गांव पहुंचते ही उमड़ा उत्साह, बना जश्न का माहौल

लेफ्टिनेंट बनने के बाद शुक्रवार को जैसे ही विशाल शाही अपने पैतृक गांव चौगाईं पहुंचे, पूरे गांव में जश्न का माहौल बन गया। ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और नारों के बीच उनका भव्य स्वागत किया गया। उनके आवास पर आयोजित सम्मान समारोह में बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश, संदेश विधायक राधाचरण सेठ, जिला पार्षद अरविंद प्रताप शाही सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। समारोह में अतिथियों का स्वागत जिला पार्षद अरविंद प्रताप शाही ने किया।

मालाओं से सम्मान, युवाओं में नई ऊर्जा

समारोह के दौरान लेफ्टिनेंट विशाल शाही को माला पहनाकर, मिठाई खिलाकर और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सम्मानित किया गया। खासकर गांव के युवाओं में उनके प्रति जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। हर कोई इस सफलता को अपने लिए प्रेरणा मान रहा था।

पटना से आईएमए तक का प्रेरक सफर

अपने संबोधन में लेफ्टिनेंट विशाल शाही ने संघर्ष और अनुशासन से भरी अपनी यात्रा साझा की। उन्होंने बताया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा 12वीं तक पटना के एक निजी विद्यालय से हुई। इसके बाद उन्होंने डीआईयू से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया। इंजीनियरिंग के बाद उन्होंने देशसेवा का सपना चुना और सिविल सेवा परीक्षा (सीडीएस) की तैयारी शुरू की। उन्होंने बताया कि पहली बार सीडीएस में उन्होंने ओटीए के लिए ऑल इंडिया दसवां रैंक प्राप्त किया, जबकि दूसरी बार आईएमए के लिए ऑल इंडिया नौवां रैंक हासिल कर अकादमी में प्रवेश पाया।

प्रेरणास्त्रोत बना चौगाईं का सपूत

समारोह में मौजूद अतिथियों ने कहा कि लेफ्टिनेंट विशाल शाही की सफलता यह साबित करती है कि सही दिशा, कठिन परिश्रम और अटूट संकल्प से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। उनका यह सफर आज चौगाईं ही नहीं, बल्कि पूरे जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है।

डॉ. मनमोहन सिंह की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व वित्त मंत्री एवं भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डॉ. मनमोहन सिंह की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को एक सादे लेकिन गरिमामय श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने की। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने डॉ. मनमोहन सिंह के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए डॉ. मनोज पांडे ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह भारत ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर ख्यातिप्राप्त अर्थशास्त्री थे। उन्होंने अपने ज्ञान, अनुभव और विवेकपूर्ण निर्णयों के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की। आर्थिक उदारीकरण, सुधारों और वैश्विक मंच पर भारत की साख को स्थापित करने में उनका योगदान ऐतिहासिक और अविस्मरणीय है। डॉ. पांडे ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह की कथनी और करनी में पूर्ण सामंजस्य था। वे सादगी, ईमानदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतीक थे। प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने कभी भी राष्ट्रहित से समझौता नहीं किया और कठिन परिस्थितियों में भी देश को आर्थिक रूप से स्थिर रखने का कार्य किया। उनका संपूर्ण जीवन देश सेवा और जनकल्याण को समर्पित रहा। उन्होंने आगे कहा कि आज की पीढ़ी के लिए डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन एक आदर्श है, जिससे सीख लेकर देश को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाया जा सकता है। उनके विचार और कार्य आने वाले वर्षों तक देशवासियों को प्रेरणा देते रहेंगे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता भोला ओझा, योगी नारायण मिश्रा, बबन तुरहा, दिवाकर सेठ, राकेश यादव, राजू यादव, ईश्वर चंद्र श्रीवास्तव, महेंद्र चौबे, दीनबंधु यादव, कुशल राम, दिनेश राम सहित कई प्रमुख कांग्रेसजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता की स्मृति को नमन किया।

रोहतास गढ़ किला का पर्यटक झूला ट्रायल में ही टूटा, लोगों में मायूसी

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास । बिहार की बहु चर्चित माने जाने वाला रोहतास गढ़ का निर्माणधीन झूला शुक्रवार की शाम एक ट्रायल के दौरान धराशाई हो गई। बताया जाता है कि पिछले दो दिन पहले ही इस झूला का ट्रायल हुआ था। जिसकी तस्वीर देखकर पर्यटकों में घूमने की जिज्ञासा को लेकर काफी खुशी थी। जिस झूले में सवार होकर सैकड़ों पर्यटक प्रखंड मुख्यालय से इस ट्रॉली में बैठकर 84 मंदिर और रोहतास गढ़ किला का दीदार कर सकेंत। लेकिन उनके घूमने के सपने उसे समय धूमिल हो गई,जब दूसरे ट्रायल के दौरान पूरा झूला और टावर धराशाई

होकर नीचे गिर गया। जिसके बाद इस रोपवे बना रही झूला कंपनी पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। हालांकि पहले भी लोगों ने गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाया था। लेकिन कंपनी की रसूख और राजनीतिक पहचान चर्चा पर थी। इस संदर्भ में पूर्व मुखिया रोहतासगढ़ कृष्ण सिंह यादव ने सवालिया निशान उठाते हुए कहा कि ग्रामीणों ने कई बार कंप्लेन किया था जिलाधिकारी मौके पर पहुंचकर कंपनी और काम कर रहे एजेंसियों को फटकार लगाई थी। इसके बाद भी काम कर रहे एजेंसी और उनके ठेकेदारों और कर्मियों पर घटिया गुणवत्ता को लेकर कोई गंभीरता नहीं देखी गई। वही टावर और ट्राली के गिर जाने के बाद अब पर्यटकों को झूले का लंबे समय तक इंतजार करना पड़ेगा। लोगों ने भी कहा कि निर्माणधीन कंपनी और उनके कर्मियों पर विभागीय जांच कर उन्हें इस कार्यस्थल से हटाना चाहिए और उन्हें ब्लैकलिस्टेड कर दूसरी बेहतर कंपनी को इसका कार्य सौंपना चाहिए। दूसरी तरफ घटना के बाद चर्चा है कि रोहितेश्वर धाम मंदिर के समीप पहले स्टेशन तथा वहां से शुरू होने वाला पहला टावर और ट्रॉली बॉक्स धराशाई हो गए हैं।

जिसे लेकर पूर्व मुखिया कृष्ण सिंह यादव ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर बाद झूला का दूसरा ट्रायल भी किया जा रहा था। लेकिन ट्रॉली बॉक्स में बालू की बोरी भरकर एक जगह से दूसरे जगह भेजा जा रहा था ताकि वजन की क्षमता जांच हो सके। लेकिन इसी दौरान वहां खड़ी टावर और केबिन बॉक्स अचानक गिर पड़ी। राहत की बात थी कि इस घटना में कोई लोग हताहत नहीं हुए।

रोहतास डीएम ने जनता दरबार में 78 फरियादियों की समस्या सुनी, निदान का दिया आश्वासन

- **जिला के विभिन्न विभागीय अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेवारी**

केटी न्यूज/रोहतास

सासाराम (रोहतास) जिला के समाहरणालय के डीआरडीए सभागार में शुक्रवार को डीएम उदिता सिंह के नेतृत्व में जिला जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें अपर समाहर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी,जिला राजस्व प्रशाखा, निदेशक डीआरडीए, जिला विकास पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता सहित समस्त रोहतास अंचलाधिकारी एवं जिला मुख्यालय स्थित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा भाग लिया

गया। उक्त जनता दरबार में कुल 78 व्यक्ति उपस्थित हुए, जिन्हें विषयवार से जुड़े विभागवार यथा राजस्व, विकास, विद्युत, लोक स्वास्थ्य एवं अन्य विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं जुड़ी शिकायतों को अलग-अलग पंक्तियों में बैठाकर सभी आवेदकों से जिला पदाधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों व अपर समाहर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी और जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ एक-एक करके सभी आवेदकों से साक्षात्कार करते हुए उनके फरिवादों की समस्याओं को सुना गया। मौके पर उनसे प्राप्त आवेदन पत्रों पर त्वरित निष्पादन करने हेतु संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निदेशों के साथ तत्काल कार्रवाई करने हेतु हस्तगत करा दिया गया।

समस्याओं से जुड़ी फरियादियों की सूची

1. लोक साक्षात्कार के समय ही शिकायत एवं समस्याओं के समीक्षोपरांत ऐसे आवेदन पत्रों को जिसमें लोक शिकायत निवारण अधिनियम यानी पीजीआरओ के तहत सुनवाई के योग्य थे। वैसे आवेदकों के शिकायतों एवं समस्याओं की सुनवाई करते हुए नियमानुसार त्वरित निष्पादन करने का निदेश के साथ संबधित लोक शिकायत निवारण पदाधिकारियों-सासाराम,बिक्रमगंज एवं डिहरी को जनता दरबार में ही हस्तगत करा दिया गया। प्राप्त आवेदन पत्रों के निष्पादन कराये जाने हेतु ऑनलाइन कराया गया तथा संबंधित लोक शिकायत निवारण पदाधिकारियों के द्वारा पंजीयन की कार्रवाई भी प्रारम्भ करा दिया गया, ताकि आवेदनकताओं के द्वारा अपने आवेदन पत्रों पर किये गये कार्रवाईयों के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त किया जा सके।

2. इसके अतिरिक्त कुछ आवेदकों के आवेदन पत्रों यथा आवेदक रविकांत राय सरपंच, शिवसागर पंचायत प्रखंड शिवसागर के द्वारा जानमाल एवं संपत्ति सुरक्षा के लिए शस्त्र का लाईसेंस निर्गत करने के संबंध में आवेदन दिया गया। जिसे निष्पादन हेतु प्रभारी पदाधिकारी, जिला शस्त्र शाखा, रोहतास को भेजा गया। आवेदिका लालसा देवी, ग्राम पेनार, थाना नोखा के द्वारा इंदिरा आवास बनाने के संबंध में आवेदन दिया गया। जिसे शीघ्र निष्पादन हेतु निदेश डीआरडीए को अग्रसारित किया। आवेदक बिहारी प्रसाद गुप्ता,थाना बड़हरी के द्वारा भूमि विवाद के संबंध में आवेदन प्राप्त किया जिसे निष्पादन हेतु भूमि सुधार उप समाहर्ता सासाराम को निदेशित किया गया। आवेदिका गौरी कुमारी, पिता कामेश्वर सिंह, थाना संझौली के द्वारा अतिक्रमणरियों पर कार्रवाई करने हेतु आवेदन दिया गया। जिसे जांच कर अविलंब कार्रवाई करने हेतु भूमि सुधार उप समाहर्ता, बिक्रमगंज एवं संबंधित अंचलाधिकारी, संझौली को निदेशित किया गया। इसी प्रकार शेष प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को संबंधित कार्यालयों के पदाधिकारियों को निदेशित किया गया।

आरा में किसानों का फूटा गुस्सा, फसल जलाकर किया अनोखा प्रदर्शन, दी चेतावनी

एजेंसी। आरा

तमाम कवायदों के बावजूद सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीदारी नहीं होने से परेशान किसानों का सब्र गुरुवार को जवाब दे गया। लंबे समय से सरकारी दर पर धान की खरीद शुरू होने का इंतजार कर रहे किसानों का आक्रोश खेत में ही फूट पड़ा। जब उन्होंने विरोध के तौर पर धान की फसल जलाकर अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना है कि सरकार के तमाम दावे के बावजूद पैक्स के माध्यम से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीद शुरू नहीं की गई है जिससे मजबूर होकर अपनी गाढ़ी मेहनत से उगाई गई फसल कौडी के मोल बेचने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है।

आक्रोशित किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अगले दस दिनों के भीतर धान की खरीद नहीं हुई तो वे सड़क पर धान रखकर उसे जलाएंगे और उसी पर खुद भी बैठ जाएंगे। किसानों की इस चेतावनी ने प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों

की चिंता बढ़ा दी है। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने पैक्स अध्यक्ष के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उन पर जानबूझकर धान खरीद में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया।सभी आक्रोशित किसान भोजपुर जिले के पीरो प्रखंड अंतर्गत नारायणपुर पंचायत के वैसाडीह गांव के थे। गांव के 87 वर्षीय बुजुर्ग किसान राधा मोहन उपाध्याय ने बताया कि 8000 क्विंटल धान की पैदावार हुई है। जो खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है। यहां पैक्स अध्यक्ष द्वारा धान की खरीद नहीं हो रही है।उप मुखिया निशांत कुमार उपाध्याय ने कहा कि यहां के पैक्स अध्यक्ष धान नहीं ले रहे है। सभी किसानों के खेत से धान काटकर बीस दिनों से खलिहान में रखा हुआ है। प्रदर्शन में कमलेश उपाध्याय, अरविंद उपाध्याय, देव नारायण उपाध्याय, चितरंजन उपाध्याय, नवीन उपाध्याय, विंकटेश उपाध्याय, चितरंजन उपाध्याय, मनोरंजन उपाध्याय, मनोज सिंह आदि किसान शामिल थे।

बिहार : बाप की सरकारी नौकरी पाने के लिए बेटे ने कर डाली हत्या, यूं खुला राज!

एजेंसी। आरा

बिहार के भोजपुर जिले से रिश्तों को तार-तार कर देने वाली एक खबर सामने आई है। चांदी थाना क्षेत्र के भगवतपुर गांव में झारखंड पुलिस के चालक हवलदार पशुपतिनाथ तिवारी की हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उनके ही सगे बेटे ने पैसे और नौकरी के लालच में कर दी। पुलिस ने इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।

नौकरी और संपत्ति का लालच बना हत्या की वजह

पुलिस जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि पशुपतिनाथ तिवारी की सेवानिवृत्ति अगले साल 31 जनवरी 2026 को होने वाली थी। आरोपी बेटे विशाल तिवारी को लगा कि अगर पिता की मौत सेवाकाल के दौरान हो जाती है, तो उसे अनुकंपा के आधार पर झारखंड पुलिस में सरकारी नौकरी मिल जाएगी। साथ ही, वह अपने पिता की संपत्ति को भी अकेले हथियाना

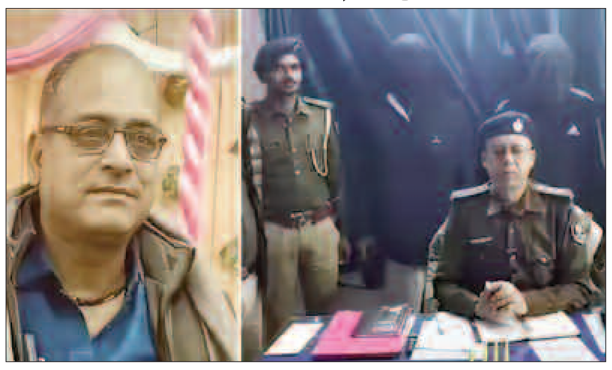

चाहता था।

दो साल पहले भी की थी जान लेने की कोशिश

भोजपुर पुलिस के अनुसार, विशाल ने अपने पिता को रास्ते से हटाने की साजिश बहुत पहले ही रच ली थी। करीब दो साल पहले भी उसने एक सड़क दुर्घटना के जरिए अपने पिता को मारने की नाकाम कोशिश की थी। इस बार जब हवलदार छुट्टी पर अपने घर आए हुए थे, तब विशाल ने अपने एक दोस्त के साथ मिलकर सोते समय उनका गला रेत दिया और निर्मम हत्या कर दी। हत्याकांड का खुलासा तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान के जरिए हुआ। सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (रउ्ढड-2) डॉ. रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि मृतक ने हाल ही में जमीन का एक एग्रीमेंट कराया था, जिससे विशाल काफी नाराज चल रहा था। गांव वालों को भी पिता-पुत्र के बीच चल रहे इस विवाद की जानकारी थी। इसी एग्रीमेंट विवाद के आधार पर जब पुलिस ने विशाल से कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

डीएम ने सीओ और डीसीएलआर के साथ किया विस्तृत समीक्षा बैठक

- **राजस्व विभाग के निदेशानुसार पर लंबित मामलों के निष्पादन का दिया निर्देश**

केटी न्यूज/रोहतास

जिलाधिकारी उदिता सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिले के सभी सीओ एवं उप समाहर्ता भूमि सुधार के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता यानी एडीएम सहित राजस्व प्रभारी जफर हसन भी उपस्थित थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में भूमि एवं राजस्व से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन तथा आम जनता को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना था।

राजस्व विभाग के निदेशों के अनुपालन पर विशेष चर्चा :

जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार सरकार द्वारा जारी निदेशों के अनुरूप दाखिल-खारिज, जमाबंदी सुधार, भूमि मापी, अतिक्रमण निराकरण, परचा, बासगीत भूमि एवं अन्य राजस्व मामलों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक लंबितता स्वीकार्य नहीं होगी। सभी अंचलाधिकारी अपने-अपने अंचलों में निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत निष्पादन सुनिश्चित करें।

लंबित मामलों पर सख्त दिशा-निर्देश : डीएम ने कहा कि जिन अंचलों में लंबित मामलों की संख्या अधिक है, वहां विशेष अभियान चलाकर मामलों का निष्पादन किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय-सीमा का उल्लंघन पाए जाने पर उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा। साथ ही राजस्व से जुड़े मामलों में जनहित, निष्पक्षता एवं संवेदनशीलता सर्वोपरि होनी चाहिए। भूमि विवादों के समाधान में विधि-सम्मत प्रक्रिया अपनाते हुए आम नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए।

डिजिटलीकरण एवं निगरानी व्यवस्था पर जोर : बैठक में भूमि अभिलेखों के अद्यतन, ऑनलाइन सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सतत निगरानी पर भी चर्चा की गई। डीएम ने निर्देश दिया कि डिजिटल माध्यमों का अधिकतम उपयोग कर राजस्व प्रशासन को पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाया जाए। वही अपर समाहर्ता ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। वही राजस्व प्रभारी जफर हसन ने फील्ड स्तर पर निरीक्षण बढ़ाने, लंबित मामलों की नियमित समीक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन पर बल दिया। साथ ही जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व विभाग आम नागरिकों से सीधे जुड़ा विभाग है और इसकी कार्यप्रणाली से ही प्रशासन की छवि बनती है। उन्होंने सभी अंचलाधिकारी एवं डीसीएलआर से अपेक्षा जताई कि वे कर्तव्यनिष्ठा, जवाबदेही और विभागीय निर्देशों के पूर्ण अनुपालन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

आस्था का प्रतीक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन, भक्तों की भारी उमड़ी भीड़

केटी न्यूज/रोहतास

श्री त्रीडंडी स्वामी जी महाराज के परम शिष्य लक्ष्मी प्रपन्ना श्री जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में अनुमंडल क्षेत्र के सूर्यपूरा प्रखंड में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ हुई प्रारंभ।

यज्ञ आयोजन प्रखंड क्षेत्र के अगरेड खुर्द गांव में आयोजित है जो भारत के प्रसिद्ध संत श्री जीयर स्वामी जी महाराज के तत्वाधान में किया जा रहा है। यज्ञ आयोजन समिति के द्वारा इसके कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बतलाया गया कि 25 दिसंबर को संत महात्माओं का आगमन होगा और कथा प्रवचन शुरू हो जाएगा। वही 29 दिसंबर को श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का जल यात्रा प्रातः 10:00 बजे से शुरू

होगी। जो 30 दिसंबर को श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का प्रारंभ हो जाएगा जिसका समापन पूर्णहुती एवं भंडारे के साथ 3 जनवरी 2026 को किया जाएगा। आयोजकों के द्वारा बताया गया कि इस महायज्ञ में दूर-दूर से संत और कथावाचक आ रहे हैं जहां बिहार सहित दूसरे प्रदेश के साधु महात्माओं का भी आगमन होने वाला है। विदित हो कि सनातन धर्म में यज्ञ का बहुत बड़ा महत्व होता है और यह एक आस्था के चरम व्रत के तौर पर भी देखा जाता है जहां पुरुष महिला सहित सभी तरह के लोग श्रद्धालु के रूप में शामिल होते हैं।

एक नजर

पशु बांझपन निवारण शिविर में पशुपालकों को दी गई तकनीकी जानकारी

रोहतास । प्रखंड क्षेत्र के बाजीतपुर में डेयरी, मत्स्य पालन और पशु संसाधन विभाग आत्मनिर्भर बिहार सात निश्चय सीजन टू के अंतर्गत पशु बांझपन निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पशु बांझपन निवारण, रख,रखाव, पशुओ का समुचित इलाज एवं मुफ्त दवा वितरण किया गया। मौके पर मौजूद पशु चिकित्सक, डॉ. संजय कुमार पशु चिकित्सा पदाधिकारी बंजारी ने बताया कि शुक्रवार को आयोजित शिविर में पशुपालकों को निशुल्क दवा वितरण किया गया। बाँझपन रोकथाम,पशुओं की रखरखाव उनकी देखभाल आदि की जानकारी दी गई,उन्होंने बताया कि इस शिविर में सौ से अधिक पशुपालक को निशुल्क दवा दिया गया। साथ ही जागरूकता प्रदान की गई. शिविर में एक पाड़ी, एक गाय का इलाज किया गया। सिविर में डॉ. अभिषेक कुमार,मोबाइल वेटरनरी यूनिट पशु चिकित्सा,पारावेट ह्रदय नारायण सिंह, फिरोज खान, समाजसेवी पिंकू चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जी रामजी योजना के आगाज पर पंचायतों में सभा का आयोजन

राजपुर। मनरेगा का बदला हुआ नया नाम विकसित भारत गरांटी रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण योजना का प्रचार प्रसार हेतु शुक्रवार को प्रखंड के सभी पंचायतों में ग्राम सभा आयोजित हुआ।इस दौरान पडरिया पंचायत में ग्राम सभा मुखिया संतोष कुमार सिंह के अध्यक्षता में किया गया। मुखिया ने बताया कि ग्राम सभा के दौरान ग्रामीण व मनरेगा से जुडे लोगों को जी रामजी योजना के उद्देश्य,लाभ, कार्य विस्तार एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई।जी रामजी के इस कानूनी योजना से किस तरह से अधिक से अधिक ग्रामीण रोजगार सृजन एवं आजीविका सुदृढ़ीकरण होगा इस पर विशेष चर्चा हुआ। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि योजना के तहत मिलने वाले रोजगार की गारंटी के दिनों को एक सौ से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है।जिससे ग्रामीण श्रमिकों को अधिक रोजगार के मिलेगा। उन्होंने बताया कि अब इस योजना के तहत गांव में सोलर लाइट लगाने,लाईब्रेरी खोलने एवं विद्यालय भवनों का निर्माण करने का काम भी किया जायेगा।जिससे स्थानिय स्तर पर लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मौके पर पंचायत सचिवअमित कुमार,अंकित कुमार, विकास कुमार,पंचायत रोजगार सेवक सुदामा कुमार, विरेन्द्र कुमार,नित्यानंद कुमार, श्रीभगवान कुमार, कृष्णा कुमार राजस्व कर्मचारी कुंदन कुमार, समाजसेवी संतोष पांडेय आदि लोग मौजूद रहे।

अवैध बालु लदे ट्रैक्टर साथ चालक गिरफ्तार

राजपुर। बघैला पुलिस ने क्षेत्र के काव नदी से अवैध बालु का खनन कर ले जा रहे ट्रैक्टर को मझिआंव गांव से जब्त कर लिया।वही वाहन मालिक सह चालक मझिआंव गांव निवासी नन्दजी साव को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष करन कुमार ने बताया कि काव नदी से अवैध बालु खनन के गुप्त सूचना पर छापेमारी किया गया। जिस दौरान बालु लदे ट्रैक्टर को जब्त करते हुए चालक नन्दजी साव को गिरफ्तार कर लिया गया।जब्त वाहन को कानूनी कार्रवाई के लिए खनन विभाग को सुपुर्द कर दिया गया है।

स्वास्थ्य कर्मी के आकस्मिक निधन पर अस्पताल में शोकसभा आयोजित

बिक्रमगंज। स्वास्थ्यकर्मी के आकस्मिक निधन पर बिक्रमगंज के करूणा अस्पताल में डॉ. कामेंद्र सिंह के नेतृत्व में शोकसभा का आयोजन। उन्होंने दुःख व्यक्त करते हुए बताया कि नगर परिषद के तेंदुनी निवासी 28 वर्षीय अमृत कुमार का शुक्रवार को अहले सुबह निधन हो गया। जो पूर्व में कई वर्षों से करुणा अस्पताल में सराहनीय का योगदान दिए थे। इसी बीच उनकी स्थाई नौकरी स्वास्थ्य विभाग में हो गई। वे वर्तमान में काराकाट प्रखंड के इटढिया स्वास्थ्य उपकेंद्र में पदस्थापित थे। जिनकी तीन दिनों से तबियत खराब हुई थी। शुक्रवार की स्थिति अधिक खराब होने पर उन्हें करुणा अस्पताल लाया गया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और उनका निधन हो गया। उन्होंने बताया कि उनके दिल मे बहुत पहले से सुराग था, लेकिन उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया। उनके निधन से दुःखी अस्पताल कर्मियों ने शोकसभा के बाद दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। शोक सभा मौके पर डॉ. सोनम सिंह,अस्पताल प्रबंधक सौरभ कुमार, राहुल कुमार सिंह, कृष्णा सिंह, सोनू कुमार, अजय सिंह, उदय सिंह, धीरज कुमार, सीमा कुमारी, किरण कुमारी,नीमा कुमारी आदि कर्मी मौजूद थे।

भोजपुर में मुख्य पार्षद की कुर्सी पर मंडराया संकट

आरा। स्थानीय नगर पंचायत के मुख्य पार्षद की सदस्यता कभी भी जा सकती है। लंबी सुनवाई के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने मुख्य पार्षद के विरोध लाए गए टैक्स बकाया के मामले की सुनवाई करते हुए आर्डर रिजर्व कर रखा है। अब कभी भी निर्वाचन आयोग का फैसला उनके पक्ष या उनके विरुद्ध आ सकता है। मिली जानकारी के अनुसार नगर पंचायत की मुख्य पार्षद जुगनू देवी पर नगर पंचायत के एक व्यक्ति ने टैक्स बकाया को लेकर निर्वाचन आयोग में व्यद दायर किया था। इसके पश्चात आयोग ने इससे संबंधित जांच प्रतिवेदन जिला पदाधिकारी से मांगी थी। इसके आलोक में डीएम के माध्यम से जांच प्रतिवेदन निर्वाचन आयोग को समर्पित किया गया था। उक्त जांच प्रतिवेदन में मुख्य पार्षद पर टैक्स बकाया का मामला सही पाया गया गया था। इसके बाद दोनों पक्षों की दलील व डीएम के प्रतिवेदन का अवलोकन किया गया। लंबी सुनवाई पूरी होने के बाद आयोग ने आर्डर रिजर्व कर लिया गया है। जिसके बाद क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि अब निर्वाचन आयोग का फैसला मुख्य पार्षद के पक्ष में आएगा या फिर आयोग उन्हें अपदस्थ कर देगा।

बिहार के वैभव सूर्यवंशी को राष्ट्रपति ने दिया बाल पुरस्कार

एजेंसी। पटना

बिहार के 14 वर्षीय प्रतिभाशाली क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को गुरुवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह के बाद युवा क्रिकेटर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे। वैभव को यह सम्मान घरेलू क्रिकेट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद मिला है। इस सप्ताह की शुरूआत में उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 84 गेंद में 190 रन बनाए, जिसमें 16 चौके और 15 छक्के शामिल थे। उनकी बदौलत बिहार ने 50 ओवरों में 574 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड खड़ा किया।

प्रकाश पर्व का अंतिम समारोह आज, पटना साहिब में देश-विदेश से जुटे श्रद्धालु

एजेंसी। पटना

पटना सिटी स्थित तख्त श्री हरमंदिर साहिब में सिखों के दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 359वें प्रकाश पर्व का दूसरा दिन श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पटना साहिब पहुंचे। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तख्त साहिब प्रबंधन, विभिन्न गुरुद्वारों और बिहार सरकार की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए हैं।बाल लीला गुरुद्वारा में आने वाले संगतों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। यहां 24 घंटे लंगर की निरंतर सेवा जारी है, जिसमें श्रद्धालुओं को बिना किसी भेदभाव के भोजन कराया जा रहा है। संगतों के ठहरने, स्नान और विश्राम की भी समुचित व्यवस्था की गई है। बाल लीला गुरुद्वारा प्रबंधन ने

स्वयंसेवकों की तैनाती कर संगतों की हर संभव सहायता सुनिश्चित की है।कश्मीर सिंह भूरी वाले बाबा जी ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को लेकर देश-विदेश से आने वाली संगतों के लिए रहने, खाने और पीने की पूरी व्यवस्था की गई है। पटना के कंगन घाट पर विशाल लंगर हॉल की व्यवस्था की गई है, जहां हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन लंगर ग्रहण कर रहे हैं। प्रकाश पर्व के दूसरे दिन तख्त श्री हरमंदिर साहिब में कीर्तन-गुरबाणी का विशेष आयोजन किया गया। रागी जत्थों ने गुरु ग्रंथ साहिब की पावन बाणी का मधुर कीर्तन प्रस्तुत किया, जिससे वातावरण गुरु भक्ति से सराबोर हो गया। श्रद्धालुओं ने गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन, बलिदान और संदेशों को स्मरण करते हुए मत्था टेका। इसके साथ ही भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में संगतें शामिल हुईं। शोभा यात्रा में जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयकारों से पूरा इलाका गूंज उठा। गतका प्रदर्शन, धार्मिक झांकियां और रागी जत्थों के कीर्तन ने शोभा यात्रा को विशेष आकर्षण प्रदान किया।तख्त श्री हरमंदिर साहिब के महासचिव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि 27 दिसंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना साहिब गुरुद्वारा में शामिल होंगे। केंद्र और राज्य सरकार के सभी मंत्रियों को भी गुरुद्वारा की ओर से निमंत्रण भेजा गया है। इस वर्ष अमेरिका, कनाडा सहित विदेशों से भी हजारों श्रद्धालु प्रकाश उत्सव में शामिल होने पहुंचे हैं। प्रबंधन कमेटी की ओर से उनके रहने, खाने और लंगर की विशेष व्यवस्था की गई है। प्रकाश पर्व के मद्देनजर बिहार सरकार ने सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया है, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से गुरुपर्व में भाग ले सकें।

सीएम नीतीश कुमार ने लिया 359वें प्रकाश पर्व की तैयारियों का जायजा, दिए जरूरी निर्देश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरु गोविंद सिंह जी के 359वें प्रकाश पर्व को लेकर विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवासन और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि माइक्रो लेवल पर हर चीज पर नजर रखी जाए ताकि किसी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो।मुख्यमंत्री ने पटना साहिब में बने प्रकाश पुंज का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बहुद्देशीय प्रकाश केंद्र और उद्यान परियोजना में प्रदर्शित सिख धर्म के आध्यात्मिक उपदेश, प्रदर्शन और कलाओं का अवलोकन किया।

पूर्णिया में जनता दरबार के दौरान सख्त तेवर में नजर आए विजय सिन्हा, कहा

'भ्रष्टाचार व लापरवाही करने वालों का पीछा श्मशान तक करूंगा', डिप्टी सीएम का सख्त संदेश

एजेंसी। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा शुक्रवार को पूर्णिया में जनता दरबार के दौरान सख्त तेवर में नजर आए। आम लोगों की शिकायतें सुनते समय जब भ्रष्टाचार और पुलिस की लापरवाही के मामले सामने आए, तो डिप्टी सीएम का पारा चढ़ गया। उन्होंने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार करने वालों का पीछा वह श्मशान तक करेंगे और जनता को तमाशा बनने नहीं दिया जाएगा। जनता दरबार में सबसे भावुक क्षण उस समय

आया, जब एक विधवा मुस्लिम महिला बीबी नासरीन बानो अपने छोटे बच्चों के साथ फरियाद लेकर पहुंचीं। उन्होंने रोते हुए बताया कि पति की मृत्यु के बाद दबंगों ने उनकी जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर लिए और विरोध करने पर उल्टा उनके खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया गया। इस पर डिप्टी सीएम ने तत्काल जिलाधिकारी (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) को महिला को न्याय दिलाने के निर्देश दिए और कहा कि यदि काम न हो, तो सीधे उन्हें फोन किया जाए।इसी दौरान एक बुजुर्ग महिला ने अपनी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत की। जांच अधिकारी (आईओ) की सुस्ती पर नाराजगी जताते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जनता की मदद के लिए होते हैं, उन्हें परेशान करने के लिए नहीं। उन्होंने अंचलाधिकारी (सीओ) को एक सप्ताह के भीतर मामले का निष्पादन करने और रढ को महिला को जमीन पर कब्जा दिलाने के सख्त निर्देश दिए। एक अन्य पीड़ित ने बताया कि पुलिस उसकी 35 वर्ष पुरानी पुश्तैनी जमीन पर मकान निर्माण से रोक रही है और जेल भेजने की धमकी दे रही है। पीड़ित के अनुसार, इस विवाद के तनाव में उसके पिता की मौत तक हो गई।

...तो इसके गंभीर परिणाम होंगे'

डिप्टी सीएम ने थानेदारों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि यदि किसी शरीफ नागरिक को बेवजह परेशान किया गया, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। जनता दरबार के दौरान उनकी चेतावनी से पूरे पंडाल में सन्नाटा पसर गया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस बात को गांठ बांध लें, चाहे कहीं भी तबादला हो जाए या सेवानिवृत्ति हो जाए, यदि जनता के साथ अन्याय किया गया, तो उसका पीछा नहीं छोड़ा जाएगा। भ्रष्टाचार और लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीएम नीतीश के कारकेड की गाड़ी ने डीएसपी को मारा धक्का, सड़क पर गिरे पुलिस अफसर

एजेंसी। पटना

बिहार की राजधानी पटना से एक अहम और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। प्रकाश पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यक्रम के दौरान एक अप्रत्याशित घटना घट गई। मुख्यमंत्री पटना सिटी स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री हरमंदिर साहिब (तख्त श्री पटना साहिब) पहुंचे थे। इसी दौरान मुख्यमंत्री के कारकेड में शामिल एक गाड़ी ने मौके पर तैनात एक वरिष्ठ पुलिस पदाधिकारी को धक्का मार दिया, जिससे वे सड़क पर गिर पड़े और घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रकाश पर्व के मौके पर सिख समुदाय को शुभकामनाएं देने और मत्था टेकने पटना सिटी गुरुद्वारा पहुंचे थे। कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। बड़ी संख्या में पुलिस बल, प्रशासनिक अधिकारी और सुरक्षा एजेंसियों के जवान तैनात थे। मुख्यमंत्री के आगमन और प्रस्थान के दौरान कारकेड को सुव्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा था। इसी बीच, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे एक डीएसपी को कारकेड में शामिल एक वाहन ने धक्का मार दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना अचानक हुई और कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। डीएसपी के गिरते ही आसपास मौजूद पुलिसकर्मी और सुरक्षा कर्मी तुरंत उनकी मदद के लिए पहुंचे। घायल अधिकारी को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया। बताया जा रहा है कि उन्हें हल्की चोटें आई हैं, हालांकि स्थिति नियंत्रण में है और वे खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यक्रम पर इसका कोई बड़ा असर नहीं पड़ा। वे तय कार्यक्रम के अनुसार गुरुद्वारे में मत्था टेककर बाहर निकले और आगे की प्रक्रिया पूरी की गई। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। मुख्यमंत्री जैसे वीवीआईपी कार्यक्रमों में सुरक्षा व्यवस्था बेहद संवेदनशील होती है और ऐसी घटना प्रशासन के लिए चिंता का विषय मानी जा रही है।

कोरानसराय, मठिला, इटाढ़ी पथ बना हादसों का न्योता, भारी वाहनों से कुछ ही महीनों में सड़क जर्जर

- कोरानसराय से नरायनपुर पुल तक 12 खतरनाक गड्ढे
- बालू लदे भारी वाहनों से सड़क की हालत खराब

केटी न्यूज। डुमरांव

कोरानसराय, मठिला, इटाढ़ी पथ का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा हाल के ही कुछ महीनों पूर्व कराया गया था। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि इस सड़क के बन जाने से आवागमन सुगम होगा और क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी, लेकिन यह उम्मीद बहुत जल्द ही टूटती नजर आ रही है। भारी वाहनों के बेलगाम परिचालन ने नई सड़क की हालत इतनी खराब कर दी है कि यह अब हादसों को न्योता देने लगी है। कोरानसराय से नरायनपुर पुल तक इस सड़क पर करीब 12 स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं। स्थिति यह है कि कई गड्ढे इतने खतरनाक हैं कि उन्होंने सड़क की चौड़ाई को काफी हद तक कम कर दिया है। रात के समय या बारिश के दौरान इन गड्ढों को देख पाना मुश्किल हो जाता है, जिससे दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। दोपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ पैदल चलने वाले राहगीरों के लिए भी

यह सड़क जानलेवा साबित हो रही है। ग्रामीण अमित दुबे और अमन सिंह ने बताया कि इस मार्ग से धड़ल्ले से बालू लदे भारी वाहनों का परिचालन हो रहा है। ओवरलोड ट्रक और ट्रैक्टर दिन-रात सड़क पर दौड़ रहे हैं, जबकि यह सड़क इतनी भारी यातायात के लिए बनी ही नहीं है। नियमों की अनदेखी कर चल रहे इन वाहनों के कारण नई बनी सड़क कुछ ही महीनों में गड्ढों में तब्दील हो गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पूरे मामले में स्थानीय प्रशासन और खनन विभाग पूरी तरह मौन साधे हुए हैं। अवैध बालू ढुलाई खुलेआम हो रही है, लेकिन न तो वाहनों की जांच की जा रही है और न ही ओवरलोडिंग पर कोई सख्त कार्रवाई हो रही है। परिणामस्वरूप सरकारी धन से बनी सड़क की फजीहत हो रही है और जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो सड़क की हालत और बदतर हो जाएगी। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों के परिचालन पर तत्काल रोक लगाई जाए, अवैध बालू ढुलाई पर सख्त कार्रवाई हो और सड़क की मरम्मत जल्द से जल्द कराई जाए। साथ ही, निर्माण कार्य की गुणवत्ता की भी जांच होनी चाहिए, ताकि यह पता चल सके कि नई सड़क इतनी जल्दी क्यों खराब हो गई। अब देखना यह है कि प्रशासन कब जागता है और इस गंभीर समस्या का समाधान करता है, या फिर यूं ही सरकारी सड़कों की फजिया उड़ती रहेगी और आम जनता जोखिम भरे सफर को मजबूर रहेगी।

ब्रह्मपुर, नैनीजोर सड़क निर्माण पर उठे सवाल गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी

- चोरी और ब्रेकडाउन से मिलेगी राहत

केटी न्यूज। डुमरांव

ब्रह्मपुर से नैनीजोर तक बनने वाली सड़क का निर्माण कार्य इन दिनों तेजी से किया जा रहा है। यह सड़क मुख्यमंत्री ग्राम सड़क उन्नयन योजना के तहत बनाई जा रही है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर और सुरक्षित सड़क सुविधा से जोड़ना है। हालांकि निर्माण कार्य की रफ्तार को लेकर प्रशासन संतोष जता रहा है, लेकिन सड़क की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों के अनुसार सड़क पर मिट्टी और गिट्टी बिछाने का काम कई महीनों पहले से चल रहा था। इसके बाद कालीकरण का कार्य एनएच-922 से निमेज होते हुए पचफेड़वा तक किया गया है। फिलहाल करीब 12 किलोमीटर सड़क का कालीकरण अभी बाकी है। इसी बीच एक सप्ताह पहले जिन हिस्सों में कालीकरण किया गया है, वहां जगह-जगह गिट्टी उखड़ने लगी है। इससे सड़क की मजबूती और टिकाऊपन पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर सड़क बनने के महज कुछ दिनों बाद ही इस तरह की स्थिति हो रही है, तो आने वाले समय में यह सड़क कितने दिन टिकेगी, इस पर संदेह है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में मानकों का सही तरीके से पालन नहीं किया जा रहा है। कई स्थानों पर कालीकरण की परत पतली है, गिट्टी ठीक से जमाई नहीं गई है और रोलर का उपयोग भी पर्याप्त रूप से नहीं किया गया।

ब्रह्मपुर-नैनीजोर पथ पर 24.63 करोड़ रुपया होगा खर्च

बताया जा रहा है कि इस सड़क के निर्माण पर लगभग 24.63 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। योजना के तहत सड़क की चौड़ाई 3.50 मीटर से बढ़ाकर 5.50 मीटर की जा रही है, ताकि दोपहिया, चारपहिया और बड़े वाहनों का आवागमन सुरक्षित रूप से हो सके। यह सड़क ब्रह्मपुर, नैनीजोर, पचफेड़वा सहित आसपास के दर्जनों गांवों को प्रखंड और जिला मुख्यालय से जोड़ेगी।

बिहार फिल्म नीति को लेकर इंपा के अध्यक्ष अभय सिन्हा ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से की मुलाकात

अनुदान शीघ्र स्वीकृत करने का आग्रह

एजेंसी। पटना

इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (IMPPA) के अध्यक्ष अभय सिन्हा और इंपा के कार्यकारिणी सदस्य व एफएमसी सेक्रेटरी निशांत उज्ज्वल ने बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर उन्हें उपमुख्यमंत्री बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बिहार में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने और राज्य की फिल्म नीति को और प्रभावी बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान अभय सिन्हा ने बिहार फिल्म नीति के तहत फिल्मों को मिलने वाले अनुदान के विषय को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पिछले कुछ वर्षों में बिहार में 30 से अधिक फिल्मों का निर्माण हो चुका है, लेकिन अब तक कई फिल्मों को अनुदान की स्वीकृति नहीं मिल पाई है। अभय सिन्हा ने आग्रह किया कि इन फिल्मों को जल्द से जल्द

अनुदान प्रदान किया जाए, ताकि निमार्ताओं का भरोसा बना रहे और बिहार फिल्म निर्माण का एक मजबूत केंद्र बन सके।अभय सिन्हा ने कहा कि बिहार में फिल्म निर्माण की अपार संभावनाएं हैं। यहां की संस्कृति, लोकेशन और प्रतिभाएं देशभर के फिल्मकारों को आकर्षित कर सकती हैं। यदि सरकार समयबद्ध तरीके से अनुदान और सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो बिहार न सिर्फ भोजपुरी बल्कि अन्य भाषाओं की फिल्मों का भी बड़ा हब बन सकता है। इस पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए अनुदान स्वीकृति में तेजी लाने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में बिहार में फिल्म निर्माण के लिए अनुकूल वातावरण और मजबूत किया जाएगा। साथ ही, राज्य में बड़े स्तर पर फिल्म अवार्ड शो और सांस्कृतिक आयोजनों के आयोजन की भी योजना है, जिससे बिहार की पहचान फिल्म और कला के क्षेत्र में और मजबूत होगी। अभय सिन्हा और निशांत उज्ज्वल ने सरकार के इस आश्वासन का स्वागत करते हुए कहा कि इससे बिहार के फिल्म उद्योग को नई दिशा और गति मिलेगी।

बिहार में कोल्ड डे का सितम : 26 जिलों में ऑरेंज अलर्ट, 30 दिसंबर तक राहत नहीं

एजेंसी। पटना

बिहार में हाड़ कंपाने वाली ठंड और घने कोहरे ने रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को राज्य के 26 जिलों के लिए 'कोल्ड डे' का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पछुआ हवाओं के प्रवाह के कारण सूबे के अधिकतर हिस्सों में शीतलहर जैसे हालात बने हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 30 दिसंबर तक प्रदेशवासियों को इस कड़ाके की सर्दी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग का कहना है कि दक्षिण बिहार की तुलना में उत्तर बिहार में ठंड का अधिक प्रभाव है। गुरुवार को गया और भागलपुर में कोहरे का सबसे ज्यादा असर रहा, जहां दृश्यता गिरकर महज 20 मीटर रह गई। यह इस सीजन का सबसे कम स्तर है। घने कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है और लंबी दूरी की ट्रेनें भी देरी से चल रही हैं। पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। बिहार में सबसे कम तापमान सहरसा के अगवानपुर में (6.7 डिग्री सेल्सियस) दर्ज किया गया, जबकि सबसे अधिक तापमान किशनगंज (23 डिग्री सेल्सियस) का रहा। राज्य में औसत तापमान यानी न्यूनतम पारा 6.7 से 12.6 डिग्री और अधिकतम 17.3 से 23.0 डिग्री के बीच बना हुआ है।

इन 26 जिलों में 'कोल्ड डे' की चेतावनी

मौसम विभाग ने उत्तर और पूर्वी बिहार के अधिकांश जिलों में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है, जिसमें भागलपुर, सीतामढ़ी, जमुई, गोपालगंज, मुंगेर, बांका, शिवहर, मधुबनी,खगड़िया, कटिहार, अररिया, मधेपुरा, सुपौल, समस्तीपुर, सीवान, वैशाली, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, छपरा, सहरसा, किशनगंज, पूर्णिया, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण शामिल हैं।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान

मौसम विभाग का कहना है कि अगले एक सप्ताह तक घने कोहरे और सर्द हवाओं की स्थिति बनी रहेगी। पछुआ हवाओं के कारण कनकनी और बढ़ेगी। लोगों को सलाह दी गई है कि वे अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें और ठंड से बचाव के पुख्ता इंतजाम रखें।

बिहार में सीबीआई की बड़ी छापेमारी, 10 साल से फरार ठगी का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

बांका जिले के रजौन बाजार में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दिल्ली से आई केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त छापेमारी कर करोड़ों रुपये की ठगी और गबन के एक बड़े मामले में तीन लोगों को हिरासत में ले लिया। इस कार्रवाई में दस वर्षों से फरार चल रहे मुख्य आरोपी अमित कुमार सिंह उर्फ राकेश कुमार की गिरफ्तारी भी हुई है।जानकारी के अनुसार, सीबीआई की यह कार्रवाई रजौन बाजार स्थित एक होटल में की गई। गुप्त सूचना और तकनीकी सर्विलांस के आधार पर सीबीआई को यह इनपुट मिला था कि आरोपी होटल में ठहरा हुआ है। इसके बाद सीबीआई की टीम रजौन थाना पहुंची और स्थानीय पुलिस को साथ लेकर पूरी योजना के तहत छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान होटल के एक कमरे से मुख्य आरोपी अमित कुमार सिंह उर्फ राकेश कुमार के साथ दो अन्य व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। तीनों से मौके पर प्रारंभिक पूछताछ की गई, जिसके बाद उन्हें रजौन थाना लाया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद सीबीआई की टीम तीनों को अपने साथ दिल्ली लेकर रवाना हो गई।